

# Resurrectional Apolytikion, Ἦχος γ' – Ευφραινέσθω τα ουράνια

1st time only



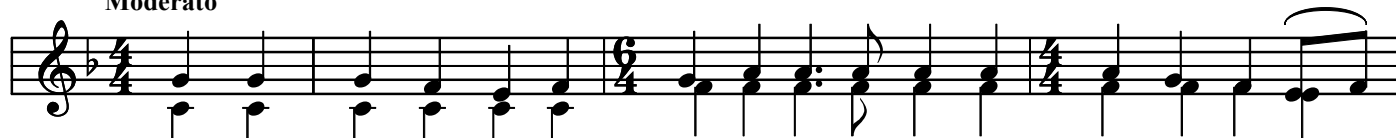
A - μὴν.  
A - min.

1. Αὕτη ἡ ἡμέρα, ἣν ἐποίησεν ὁ κύριος· ἀγαλλιασώμεθα καὶ εὐφρανθῶμεν ἐν αὐτῇ.

Refrain, then ΜΙΚΡΑ ΕΙΣΟΔΟΣ.

2. Αἰνεσάτωσαν αὐτὸν οἱ οὐρανοὶ καὶ ἡ γῆ. Refrain.

Moderato



Refrain Ευ - φραι - νέ - σθω τα ου - ρά - νι - α, α - γαλ - λι - ά - σθω τα ε -  
Ef - fre - ne - stho ta ou - ra - ni - a, a - yal - li - a - stho ta e -



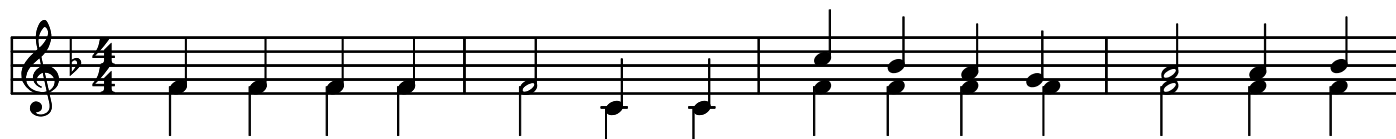
- πί - γει - α, ο - τι ε - ποί - η - σε κρά - τος εν βρα -  
- pi - yi - a, o - ti e - pi - i - se kra - tos en vra -



- χί - ο - νι αυ - τού ο Κύ - ρι - ος. ε - πά - τη - σε τω θα -  
- hi - o - ni af - tou o Ky - ri - os. E - pa - ti - se to tha -



- νά - τω τον θα - να - τον, προ - τό - το - κος τον νε - κρών ε - γέ - νε - το,  
- na - to ton tha - na - ton, pro - to - to - kos ton ne - kron e - ye - ne - to,



εκ κοι - λί - ας Ἄ - δου ερ - ρύ - σα - το η - μάς και πα -  
ek ki - li - as A - dhou er - ri - sa - to i - mas ke pa -



- ρέ - σχε το κόσ - μω το μέ - γα έ - λε - ος.  
- re - sche to kos - mo to me - ya e - le - os.